

**Report on “Organic Manure and Organic Fertilizer Production
Technique”**

Department of Rural Technology and Social Development, & Skill Development
Cell, Guru Ghasidas Vishwavidyalaya, Bilaspur (C.G.)

Date of Event : 29th August to 03rd September 2018

Venue : Department of Rural Technology and Social Development



Dr. Dilip Kumar and resource person with participants



<Caption of the Image>

Details of Event Proceedings

Date (DD-MM-YYYY)	Details of the Session	Details of Resource Person	Number of Participants
29/08/2018	Overview of Blue Green Algae, Preparation of BGA at Field, Tank designing, construction and collection of raw materials	Mr. Kamal Narayan Koshale (Ph.D. Scholar, COA, Raipur), and Mrs. Priya Kurry (Assistant Director, Agriculture, Bilaspur)	65
30/08/2018	Nadep Production, , Preparation techniques of Vermicompost, Field Approach, Green Manure	Dr. Dilip Kumar (Assistant Professor) and Dr. P.K. Keshri (Assistant Professor, TCB, COA and Res. Station, Bilaspur)	65
31/08/2018	Vermin wash preparation, use and importance, Management of Vermicompost,	Dr. Dushyant Kaushik (Programme Coordinator, KVK, Bilaspur)	65
01/09/2018	<i>Eisenia foetida</i> : A Biological approach	Dr. N.C. Agrawal (Dept. of Zoology, GGV, Bilaspur)	65
03/09/2018	<i>Azolla</i> production, use and importance, Field approach	Dr. Panch Ram Mirjah (Assistant Professor, COA and Res. Station, Janjir Champa)	65



A Brief Abstract of the Event (Maximum 500 Words):

Vermicompost is one of the most important manures of organic farming. In this context, the skill development training has been organized in collaboration with Skill Development Cell. The convener of this program is Dr. Dilip Kumar, Assistant Professor, Dept. of Rural Technology and Social Development. The training was started with the auspicious presence of the Dean, School of Natural Resources Prof. V.D. Rangari, Nodal officer, Skill Development Cell Dr. Rajesh Bhushan, Head, Dept. of Rural Technology, Dr. Pushpraj Singh along with 65 participants students from the Rural Technology department. This five days training program (from 29th August to 03rd September 2018) had been divided into 10 sessions and in each session, participants gained a variety of knowledge related to organic farming and Biofertilizer production from the subject experts who were invited from various colleges and departments. The trainees gained knowledge about Green manuring production and application, BGA production, Azolla production, Vermicompost production, NADEP production, Varmi wash preparation, and Trichoderma treatment of vermicompost. At the end of this training program one vermicompost production unit, one NADEP composting unit, and two Azolla production units have been constructed by the participant. A valedictory program has been organized to provide the certificate to the participant. The trainees were glad to participate in this training programme and they said in the feedback session, that they learned a lot of things about organic farming and biofertilizer production and they will adopt this technology in the future as well as transfer this technology to other farmers.



Practical session of BGA, NADEP, AZOLLA and Vermicompost

दैनिक भास्कर, आठवार 01 सितम्बर 2018 पेज 16

आयोजन | केंचुआ खाद उत्पादन व बांस कला पर कौशल प्रशिक्षण

विकसित देशों के युवा प्रौद्योगिकी में परिवर्तन कर रहे हैं: प्रो. रंगारी

एक तकनीकी में स्वयं को परास्त करें

एकूटेशन विवेकेंद्र | बिलासपुर

गुरु घासीदास मेडल यूनिवर्सिटी में कौशल विकास के लिए छात्रों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसी कड़ी में ग्रामीण प्रौद्योगिकी विभाग और यूनिवर्सिटी के कोशल विकास प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वाधान तीन दिवसीय केंचुआ खाद उत्पादन और बांस कला प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। यह 3 सितंबर तक चलेंगा।

कार्यक्रम का उद्देश्य प्राकृतिक संसाधन संकाय के अधिष्ठाता प्रो. व्हीडी रांगारी, विश्वविद्यालय कोशल विकास प्रकोष्ठ के नोडल अधिकारी डॉ. राजेश भूषण, प्राकृतिक संसाधन संकाय के कोशल विकास प्रकोष्ठ के सदस्य डॉ. दिलीप कुमार और डॉ. भास्कर चौधरी द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्राकृतिक संसाधन संकाय के अधिष्ठाता प्रो. रंगारी ने छात्र-छात्राओं को अपने अंदर कोशल निर्माण के लिए प्रेरित किया। उनके अनुसार विकसित देशों के युवा प्रौद्योगिकी में परिवर्तन कर रहे हैं। जिसके लिए वे स्वयं को किसी

एक तकनीकी में परास्त बनाते हैं। उन्होंने बताया कि प्राचीन शिक्षण में हमारे विज्ञान को अन्य देशों के विज्ञान से तुलना केवल था। बांस कला का प्रशिक्षण का आयोजन डॉ. भास्कर चौधरी द्वारा किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत विभिन्न व्यावसायिक महत्व को संतुष्ट बनाई जाएगी। इन सतुष्टों का निर्माण मूल्य और इनकी साकार मूल्य से भी प्रशिक्षणार्थियों को अवगत कराया जाएगा। कोशल विकास प्रकोष्ठ के सदस्य डॉ. दिलीप द्वारा केंचुआ खाद उत्पादन

पर आयोजित किए गए प्रशिक्षण में केंचुआ खाद टैक का निर्माण, टैक को भरने जैसी को प्रक्रिया और टैक में केंचुओं के पालन की प्रक्रिया सिखाई जाएगी। विभाग ने पूर्व प्रशिक्षणों में बनकर गए केंचुआ खाद उत्पादन उत्पादन किया जा रहा है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में यूनिवर्सिटी के कुल 60 प्रशिक्षणार्थी भाग ले रहे हैं। इस कार्यक्रम में ग्रामीण प्रौद्योगिकी एवं सामाजिक विकास विभागध्यक्ष, शिक्षक और कर्मचारी उपस्थित रहे।

दैनिक भास्कर, बिलासपुर, केगसर 03 सितंबर 2018 पृष्ठ-16 13

सीमा | छात्रों को प्रेरित जा रहा है केंचुआ खाद उत्पादन पर प्रशिक्षण, कला टैक

छात्रों ने जाने केंचुआ से खाद उत्पादन के तरीके

एकूटेशन विवेकेंद्र | बिलासपुर

प्रदेश की प्रौद्योगिकी विभाग व कोशल विकास प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वाधान में तीन दिवसीय केंचुआ खाद उत्पादन प्रशिक्षण का कार्य है। कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र-छात्राओं को केंचुआ खाद उत्पादन के विभिन्न चरणों से अवगत कराया गया। केंचुआ खाद उत्पादन के लिए छात्र छात्रों को छात्रों को प्रेरित करने के लिए डॉ. दिलीप की सहायता के साथ 'एक तकनीकी में परास्त करें' का नारा देते हुए प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में डॉ. भास्कर चौधरी द्वारा केंचुआ खाद उत्पादन के विभिन्न चरणों से छात्रों को अवगत कराया गया। कार्यक्रम में डॉ. भास्कर चौधरी द्वारा केंचुआ खाद उत्पादन के विभिन्न चरणों से छात्रों को अवगत कराया गया।

छात्रों ने केंचुआ पोस्टम का निर्माण

छात्रों को प्रेरित करने के लिए डॉ. दिलीप की सहायता के साथ 'एक तकनीकी में परास्त करें' का नारा देते हुए प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में डॉ. भास्कर चौधरी द्वारा केंचुआ खाद उत्पादन के विभिन्न चरणों से छात्रों को अवगत कराया गया।

नई दुनिया, बिलासपुर, शनिवार 01 सितंबर 2018

केंचुआ उत्पादन एवं बांस कला पर प्रशिक्षण

केंचुआ पोषण के ग्रामीण प्रौद्योगिकी विभाग एवं विवेकेंद्र कोशल विकास प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वाधान में तीन दिवसीय केंचुआ खाद उत्पादन एवं बांस कला प्रशिक्षण का आयोजन अंतर पर प्राकृतिक संसाधन संकाय के अधिष्ठाता प्रो. व्हीडी रांगारी ने अपनी अंदर कोशल निर्माण हेतु प्रेरित किया, उनके अनुसार विकसित देशों के युवा प्रौद्योगिकी में परिवर्तन कर रहे हैं जिस हेतु वे स्वयं को किसी एक तकनीकी में परास्त बनाते हैं। उन्होंने प्राचीन विज्ञान से तुलना विज्ञान को अन्य देशों के विज्ञान से तुलना करते हुए केवल बताया। कार्यक्रम में ग्रामीण प्रौद्योगिकी एवं सामाजिक विकास विभागध्यक्ष, शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

Dainik Bhaskar, NAI Duniya NEWS PAPAR, Date 03/09/2018